notified that there are vacancies of Assistant Permanent-Way Inspector the Northern and Western Railways;

(b) if so, the number of such vacancies on these Railways; and

(c) whether the surplus Assistant Inspectors of Works of the Western Railway are being considered on existing vacancies of APWIs and whether they are likely to be absorbed there?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) Yes. (The letter dated 25-5-68 was issued by Northern Railway).

(b) Northern	150
Western	10

(c) Yes.

गया काटन मिल

4614. श्री रामावतार शास्त्री : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गया काटन मिल कई वर्षों से बन्द पड़ी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस मिल को अपने हाथ में लेने का है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफ़ी कुरैशी) : (क) से (ग) : गया काटन एण्ड जूट मिल्स लि०, गया दिसम्बर, 1965 में बन्द हो गई । कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मिल के समापन का निदेश दिया । मिल को व्यर्थ घोषित करने योग्य समझा गया और इसका पंजीयन प्रमाण-पत्र जनवरी, 1968 में रद्द कर दिया गया ।

Bihar Cotton Mills (P) Ltd., Phulwari Shariff, Patna

4615. SHRI RAMAVATAR SHASTRI : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether the Bihar Cotton Mills (P) Ltd., Phulwari Shariff, Patna (Bihar) is running at a loss in spite of its new machinery;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether the Government of Bihar have advanced any loan to the Mill with a view to improving its economic condition;

(d) if so, the amount thereof;

(e) whether Government propose to advance more loans to it; and

(f) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) In 1966 the Bihar Cotton Mills (P) Ltd., suffered a loss of Rs. 3.68 lakhs, without providing for depreciation while the net additions to the plant and machinery amounted to Rs. 6.99 lakhs.

(b) Old plant and machinery needing renovation and modernisation, labour unrest and suspension of production for some time.

(c) to (f). Government of India have no knowledge of any loan advanced or proposed to be advanced to the mills by the Government of Bihar. However, the secured borrowings of the mills from the Bihar Investment Company as on 31-12-1966 are reported to be Rs. 2.07 lakhs.

चुर्क सीमेंट कारखाना (उत्तर प्रदेश)

4616. श्री नागेश्वर द्विवेदी : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चुर्क सीमेंट फैक्टरी की धमन भट्टियों के कार्य के बन्द होने के कारण सीमेन्ट का उत्पादन कम हो गया है तथा इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में विशेषकर इसके पूर्व भाग में सीमेंट की भारी कमी हो गई है तथा सीमेंट काले बाजार में अधिक दामों पर बेची जा रही है;

(ख) सरकारी क्षेत्र में तैयार होने वाले सीमेंट को आसानी से विभिन्न स्थानों

में उपलब्ध कराने के लिये एजेन्टों को कैसे नियुक्त किया जाता है; और

(ग) इस कार्य के लिये एजेन्ट को किस क्षेत्र के लिये नियुक्त किया जाता है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, नहीं । उत्पादन में कमी का कारण पर्याप्त मात्रा में जिप्स का न मिलना है । तथापि, इससे उत्तर प्रदेश विशेष रूप से पूर्वी भागों में सीमेंट की कमी नहीं हुई है । चोर बाजारी का कोई भी उदाहरण हमारी जानकारी में नहीं आया है ।

(ख) और (ग) सीमेंट की बिक्री के लिये सरकारी क्षेत्र के सीमेंट संयंत्रों द्वारा अभिकर्त्ताओं की नियुक्ति की प्रणाली गैर-सरकारी क्षेत्र के संयंत्रों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रणाली से बिल्कुल भी भिन्न नहीं है। उत्पादकों को विपणन क्षेत्र के रूप में जो क्षेत्र नियत किया जाता है, उसी में से वे स्टाकिस्ट नियुक्त करते हैं । उत्पादकों से आशा की जाती है कि वे सीमेंट की कमी को दूर करने के लिए अपने स्टाकिस्टों को पर्याप्त मात्रा में सीमेंट उपलब्ध करायेंगे।

उत्तर प्रदेश में लोह की चादरों की कमी

4617. **श्री नागेश्वर द्विवेदी** : क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में लोहे की चादरों का बहुत अभाव है और क्या खुले बाजार में उनके भाव में बहुत वृद्धि हो गई है; और

(ख) यदि हां, तो इस कमी के क्या कारण हैं तथा इस कमी को दूर करने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री राम सेवक) : (क) जस्ती चादरों और कुछ विशेष लम्बाई-चौड़ाई की सादी काली चादरों की व्यापक कमी है और इसका अभाव सारे देश में अनुभव किया जा रहा है । परिणाम स्वरूप खुले बाजार में भी इन चादरों के मूल्य अपेक्षया बढ़े हैं ।

(ख) लोहे की चादरों की मांग वर्तमान उत्पादन से अधिक है । राउरकेला इस्पात कारखाने के विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत, जिसमें इसकी क्षमता 1 मिलियन टन से से 1.8 मिलियन टन प्रति वर्ष तक की जाएगी, इस कारखाने में काली और जस्ती चादरों के उत्पादन के लिए अतिरिक्त क्षमता की व्यवस्था की जा रही है । बोकारो इस्पात कारखाना भी काली चादरें तैयार करेगा ।

Export of Railway Wagons to U.S.S.R.

4618. **SHRI K. M. KOUSHIK** : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the export of Railway Wagons to U.S.S.R. will entail great loss to our country; and

(b) if so, the steps taken by Government to prevent it ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Indian Firms and Establishments in Pakistan Custody

4619. **SHRI K. P. SINGH DEO** : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that the Indian firms and establishments in the custody of Pakistan since the outbreak of hostilities between